**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**
**31.07.2026 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1477 का उत्तर**

**रेल परिवहन में कमी**

**1477. श्री एस. निरंजन रेड्डी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) के प्रतिवेदन पर ध्यान दिया है, जिसमें अप्रैल, 2026 में रेल परिवहन क्षेत्र में 0.4 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है;
(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या मंत्रालय ने उक्त कमी का माल ढुलाई और यात्री सेवाओं पर पड़े प्रभाव का आकलन किया है; और
(घ) रेल परिवहन सेवाओं की वृद्धि में सुधार लाने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं?

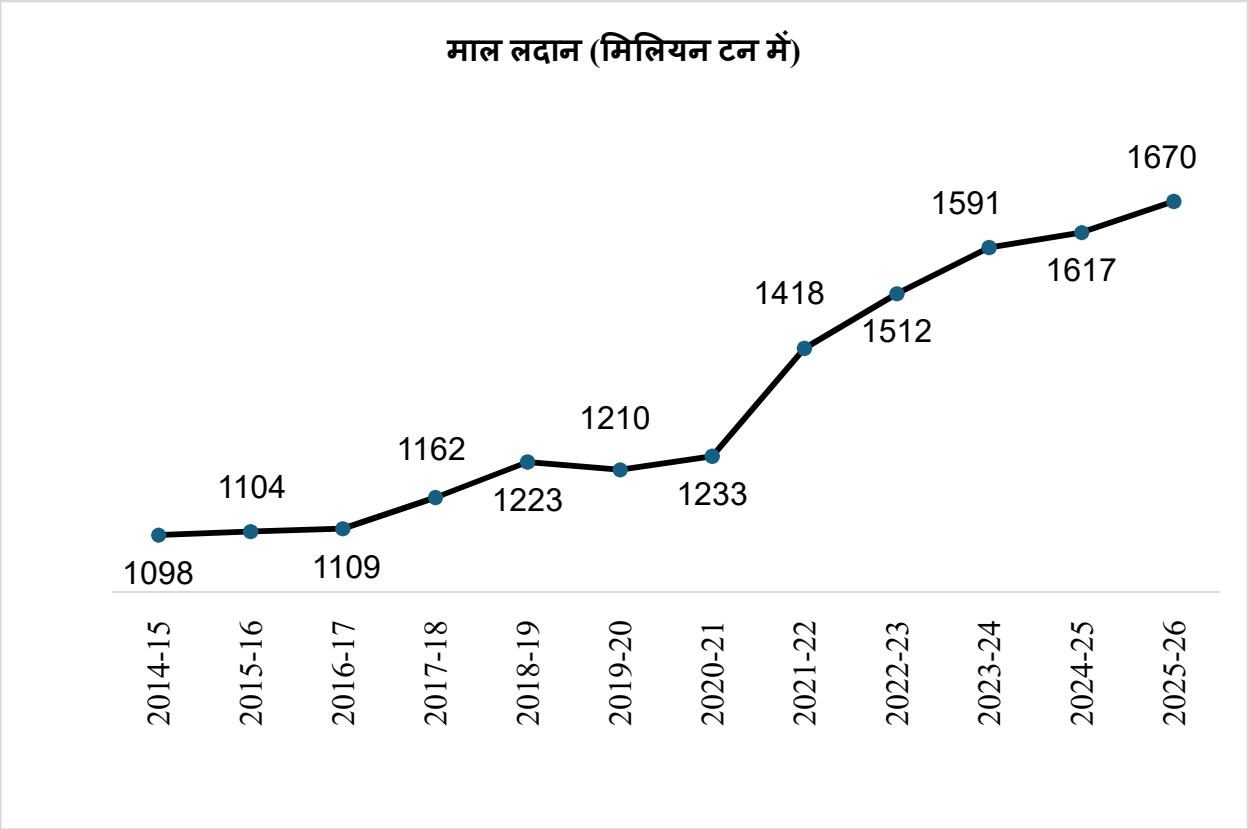
**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**
**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

(क) से (घ): भारतीय रेल ने माल लदान और राजस्व बढ़ाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। 2014 से माल लदान निम्नानुसार है:

| वर्ष | माल लदान (मिलियन टन में) |
|---|---|
| 2014-15 | 1098 |
| 2015-16 | 1104 |
| 2016-17 | 1109 |
| 2017-18 | 1162 |
| 2018-19 | 1223 |
| 2019-20 | 1210 |
| 2020-21 | 1233 |
| 2021-22 | 1418 |

| | |
|---|---|
| 2022-23 | 1512 |
| 2023-24 | 1591 |
| 2024-25 | 1617 |
| 2025-26 | 1670 |




2025-26 में भारतीय रेल का माल लदान बढ़कर 1,670 मीट्रिक टन हो गया है, जिससे भारतीय रेल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी माल ढुलाई करने वाली रेलवे बन गई है।

इसी तरह, भारतीय रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 2022-23 में 644 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 729 करोड़ और 2025-26 में 760 करोड़ हो गई है।

**बजट आबंटन और नेटवर्क विस्तार:** बजट आबंटन 2013-14 में ₹29,055 करोड़ से बढ़ाकर 2026-27 में ₹2,78,030 करोड़ कर दिया गया है। पिछले 12 वर्षों के दौरान, भारतीय रेल द्वारा रेलवे नेटवर्क की क्षमता संवर्धन का कार्य बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है। भारतीय रेल में नई रेल लाइन की कमीशनिंग/बिछाए जाने का विवरण निम्नानुसार है:

| अवधि | कमीशन किए गए नए रेलपथ | नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग |
|---|---|---|
| 2009-14 | 7,599 कि.मी. | 4.2 कि.मी./दिन |
| 2014-26 | 36,429 कि.मी. | 8.32 कि.मी./दिन (लगभग 2 गुना) |

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पूरे भारतीय रेल में लगभग 8.31 लाख करोड़ रुपए की लागत से कुल 40,000 कि.मी. लंबी 514 रेल अवसंरचना परियोजनाओं (169 नई रेल लाइन, 29 आमान परिवर्तन तथा 316 दोहरीकरण) की स्वीकृति दी गई है। सारांश निम्नानुसार है:-

| कोटि | परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.) | मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.) | मार्च,2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइनें | 169 | 16,634 | 3,361 | 1,57,572 |
| आमान परिवर्तन | 29 | 3987 | 3,045 | 24,227 |
| दोहरीकरण | 316 | 19,379 | 6,177 | 1,23,454 |
| कुल | 514 | 40,000 | 12,583 | 3,05,253 |

**डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:** रेल मंत्रालय ने दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर यथा लुधियाना से सोननगर तक ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1337 कि.मी.) और दादरी से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) तक वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (1506 कि.मी.) का निर्माण कार्य शुरू किया है। दोनों डीएफसी अर्थात ईस्टर्न डीएफसी (1337 कि.मी.) और वेस्टर्न डीएफसी (1506 कि.मी.) को कमीशन कर दिया गया है।

औसतन डीएफसी पर प्रतिदिन लगभग 443 गाड़ियां संचालित की जाती हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने सुदृढ़ परिचालन निष्पादन का प्रदर्शन किया है। माल ढुलाई की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें औसत गति अधिक है, टर्नअराउंड तेज़ हुए हैं और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर द्वारा माल यातायात को ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की ओर मोड़कर पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग सृजित करने में योगदान दिया है। इसके परिणामस्वरूप, रेलवे को अपने नेटवर्क पर अतिरिक्त माल और कोचिंग सेवाओं के परिचालन में सफलता मिली है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परियोजना का परिवहन और संभार-तंत्र क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यह डबल स्टैक कंटेनर (डीएससी) रेलगाड़ियों की बेहतर आवाजाही, उच्च धुरा भार रेलगाड़ियों, पश्चिमी बंदरगाहों द्वारा उत्तरी भीतरी इलाकों तक तीव्र पहुंच और डीएफसी के साथ उद्योगों सहित नए टर्मिनलों/लिंकजों के विकास को सक्षम करेगा।

केंद्रीय बजट 2026 में पूर्व में डानकुनि को पश्चिम में सूरत से जोड़ने वाले एक नए समर्पित माल ढुलाई गलियारे की घोषणा की गई है। इस गलियारे के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने/अद्यतन करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

**गति शक्ति कार्गो मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल:** रेल कार्गो की संभलाई के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योग से निवेश को बढ़ावा देने के लिए, "गति शक्ति मल्टी-मॉडल

कार्गो टर्मिनल" नीति शुरू की गई है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को निजी निवेशकों द्वारा विकसित किया जा रहा है और इन्हें गैर-रेल भूमि पर या रेल भूमि पर पूर्णतः/अंशतः विकसित किया जा सकता है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का स्थान उद्योग की मांग और कार्गो यातायात की क्षमता के आधार पर निर्धारित किया जा रहा है। अब तक, 142 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को कमीशन किया जा चुका है और इसके अलावा, 310 अन्य गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को प्रस्तावों के लिए सैद्धांतिक मंज़ूरी (आईपीए) दी जा चुकी है।

चालू किए गए 142 जीसीटी की अनुमानित माल सम्हलाई क्षमता 224 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इस नीति के माध्यम से इन जीसीटी में लगभग ₹10,000 करोड़ का निजी निवेश जुटाया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान इन जीसीटी पर 146 मिलियन टन माल की सम्हलाई की गई।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में निम्नानुसार शामिल हैः

- निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की कड़ी निगरानी।
- परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीवन संबंधी मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय का रेल परिवहन के लिए सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) ओईसीडी के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार मात्रा-आधारित संकेतकों पर आधारित है, जो क्रमशः 'यात्री सेवाओं' और 'माल सेवाओं' के लिए 'यात्री किलोमीटर यात्रा' और 'टन किलोमीटर परिवहन' है।

मासिक सूचकांक एक विशेष माह के लिए शुद्ध टन किमी (एनटीकेएम) और यात्री कि.मी. (पीकेएम) पर रेल मंत्रालय के आंकड़ों पर आधारित है। जून 2025 की तुलना में जून 2026 में शुद्ध टन कि.मी. और यात्री कि.मी. का विवरण निम्नानुसार है। इन संकेतकों में सकारात्मक बदलाव आया है।

| **माह** | **शुद्ध टन कि.मी. (मिलियन में)** | **यात्री कि.मी. (मिलियन में)** |
|---|---|---|
| जून 2025 | 76,547 | 1,00,307 |
| जून 2026 | 78,670 (+2.77%) | 1,04,813 (+4.49%) |

******